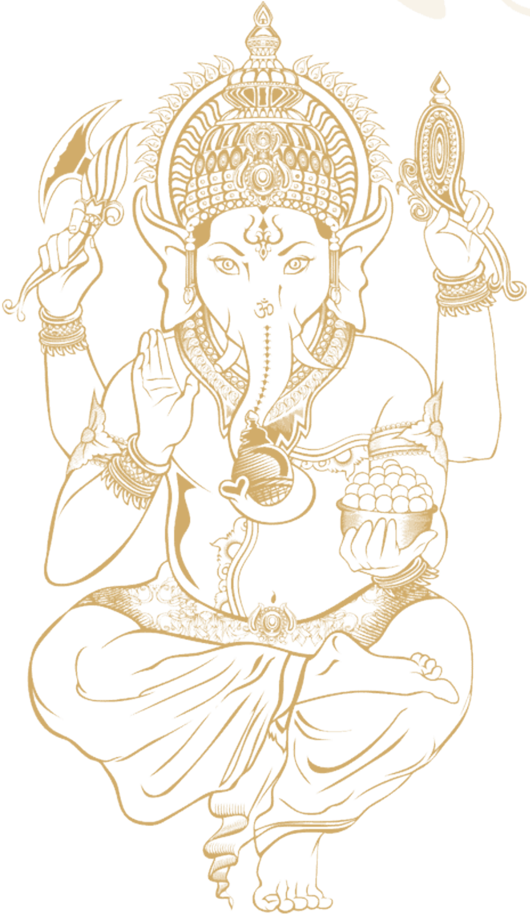

Mr.hsrsh anand

30 Apr 2001

06:00 PM

Supaul Saharsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 120900105

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 30/04/2001**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 18:00:00 घंटे**
इष्ट	: 32:11:01 घटी
स्थान	**: Supaul Saharsa**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 26:07:00 उत्तर
रेखांश	: 86:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 18:16:24 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:46 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:50:29 घंटे
सूर्योदय	: 05:07:35 घंटे
सूर्यास्त	: 18:14:31 घंटे
दिनमान	: 13:06:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 16:21:07 मेष
लग्न के अंश	: 14:00:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**: कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**: पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: गण्ड
करण	: विष्टि
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:00:53	315:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			मेष	16:21:07	00:58:16	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	13:48:57	14:07:12	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			धनु	04:26:49	00:07:40	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	24:38:04	02:06:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	19:31:07	00:12:45	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	09:32:02	00:21:34	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	07:17:49	00:07:26	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु			मिथु	14:10:47	00:00:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	14:10:47	00:00:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:37:19	00:01:24	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:52:36	00:00:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	20:55:16	00:01:15	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	16:17:52	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:14

लग्न-चलित

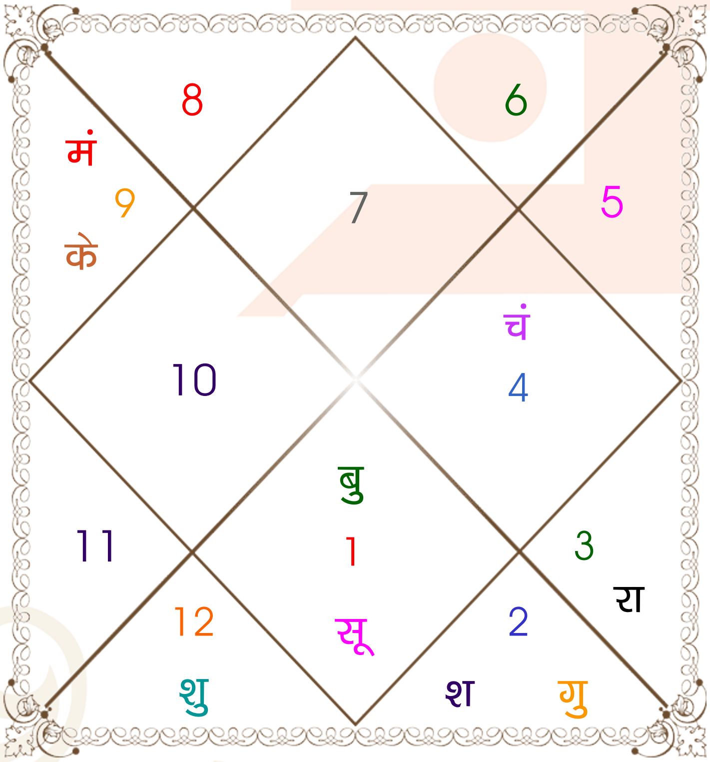

चन्द्र कुंडली

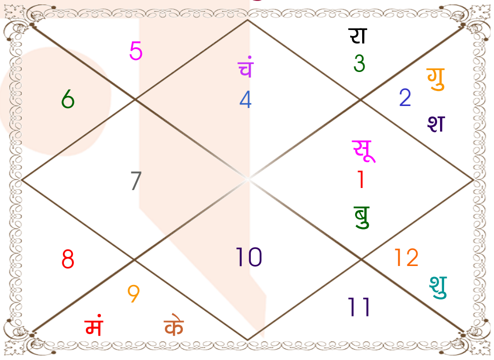

नवमांश कुंडली

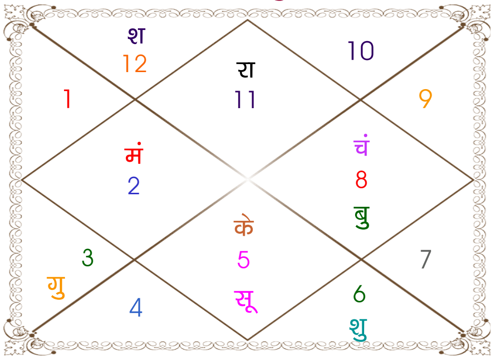

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 0 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
30/04/2001	23/05/2005	23/05/2022	23/05/2029	23/05/2049
23/05/2005	23/05/2022	23/05/2029	23/05/2049	23/05/2055
00/00/0000	बुध 20/10/2007	केतु 19/10/2022	शुक्र 21/09/2032	सूर्य 10/09/2049
00/00/0000	केतु 16/10/2008	शुक्र 20/12/2023	सूर्य 22/09/2033	चंद्र 11/03/2050
00/00/0000	शुक्र 17/08/2011	सूर्य 25/04/2024	चंद्र 23/05/2035	मंगल 17/07/2050
00/00/0000	सूर्य 22/06/2012	चंद्र 24/11/2024	मंगल 23/07/2036	राहु 11/06/2051
00/00/0000	चंद्र 22/11/2013	मंगल 23/04/2025	राहु 23/07/2039	गुरु 29/03/2052
00/00/0000	मंगल 19/11/2014	राहु 11/05/2026	गुरु 23/03/2042	शनि 11/03/2053
30/04/2001	राहु 07/06/2017	गुरु 17/04/2027	शनि 23/05/2045	बुध 15/01/2054
राहु 10/11/2002	गुरु 13/09/2019	शनि 26/05/2028	बुध 23/03/2048	केतु 23/05/2054
गुरु 23/05/2005	शनि 23/05/2022	बुध 23/05/2029	केतु 23/05/2049	शुक्र 23/05/2055

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
23/05/2055	23/05/2065	23/05/2072	23/05/2090	24/05/2106
23/05/2065	23/05/2072	23/05/2090	24/05/2106	00/00/0000
चंद्र 23/03/2056	मंगल 19/10/2065	राहु 03/02/2075	गुरु 10/07/2092	शनि 27/05/2109
मंगल 22/10/2056	राहु 07/11/2066	गुरु 29/06/2077	शनि 22/01/2095	बुध 04/02/2112
राहु 23/04/2058	गुरु 14/10/2067	शनि 04/05/2080	बुध 29/04/2097	केतु 15/03/2113
गुरु 23/08/2059	शनि 21/11/2068	बुध 22/11/2082	केतु 05/04/2098	शुक्र 15/05/2116
शनि 23/03/2061	बुध 19/11/2069	केतु 10/12/2083	शुक्र 05/12/2100	सूर्य 27/04/2117
बुध 23/08/2062	केतु 17/04/2070	शुक्र 10/12/2086	सूर्य 23/09/2101	चंद्र 26/11/2118
केतु 24/03/2063	शुक्र 17/06/2071	सूर्य 04/11/2087	चंद्र 23/01/2103	मंगल 05/01/2120
शुक्र 21/11/2064	सूर्य 23/10/2071	चंद्र 05/05/2089	मंगल 30/12/2103	राहु 01/05/2121
सूर्य 23/05/2065	चंद्र 23/05/2072	मंगल 23/05/2090	राहु 24/05/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 0 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।